696

RJ - 01

December - Examination 2015

B.A. Ist Year Examination

आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य

Paper - RJ - 01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

नोट : औ पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्यो ड़ौ है। खण्ड 'अ' में साब छोटा सवाल, खण्ड 'ब' मे छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

(खण्ड – अ) 10 x 2 = 20

नोट : इस खण्ड में दियौड़ा सगळा सवालां ऐ उथळौ देवणौ जरूरी है। सबद सींव 30 सबद है।

1) (i) 'टब्बा' रौ अरथ स्पस्ट करौ।

(ii) मुरलीधर व्यास रै कहाणी संग्रह रौ नांव बताऔ।

(iii) चावै उपन्यास 'हूं गोरी किण पीव री' रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(iv) 'अलेखू हिटलर' कहाणी संग्रह रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(v) 'रजपूताणी' कहाणी संग्रह रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(vi) सांबर हइया रचित कहाणी रौ नांव लिखौ।

(vii) 'बातां' कहाणी रा लेखक कुण है?

(viii) डॉ. मदन सैनी रै किणी अेक कहाणी संग्रह रौ नांव लिखौ।

(ix) ब्रजनारायण पुरोहित रचित अेक रेखाचित पोथी रौ नांव लिखौ।

(x) 'बोळावण' नाटक रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

नोट : नीचै लिख्या प्रश्नां में सूं कोई चार प्रश्न करणा है। सबह सींव 200 सबद है।

2) ''बालावबोध' अर 'टब्बा' री जाणकारी उजागर करौ।

3) कहाणी अर उपन्यास में अंतर स्पष्ट करौ।

4) रामेश्वरदयाल श्रीमाळी रचित कहाणी 'कांचळी' रौ सार स्पष्ट करौ।

5) नीचै दियोड़ै गद्यांश री सप्रसंग व्याख्या करौः–

'' – आ बात कैयी?

– हां ???, बिल्कुल आ ईज बात कैयी।

– छोरी, क्यांरी दाही है, दादी।

आजकालै री छोर्‌यां दादी हुयए ई जल में।

– जग्गू मास्टर नै फेंफ्यां अणा दे सी।

– आं लखणां तो ओ ई लागै।

– जणां तो फेरा आज ई हुबैला?

– आज नईं तो काल, लाडो लाडी तो ले जावैलो ई!

– मामै फालतू ई माथाकूटी करी।

– मूंड रौ ठीकरो आवणो हुबै जणां इं यां ई आया करै।''

6) 'बातां' कहाणी रौ कथासार आप रै सबदां में लिखौ।

7) प्रमुख रेखाचित्रकार नेमनारायण जोशी रौ परिचै देऔ।

8) प्रमुख अेकांकीकार रावत सारस्वत रौ जीवन परिचै उजागर करौ।

9) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' रचित नाटक ''तास रौ घर'' रौ कथानक संक्षेप में उजागर करौ।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

नोट : नीचै लिख्यां प्रश्नां में सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबह सींव 500 सबद है।

10) आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य री विविध विधावां रौ विस्तार सूं खुलासौ करौ।

11) ''अलेखू हिटलर'' कहाणी री विस्तार सूं विवेचना करौ।

12) ''बातां'' कहाणी में आधुनिक जीवन में विखरतै सामाजिक ढांचै रौ सूक्ष्म विवेचन करी ज्यौ है।''

कहाणी रै कथानक नै दीठ में राखता थकां इण कथन री समीक्षा करौ।

13) अेकांकीकार नाणराज शर्मा रौ राजस्थानी साहित्य में योगदान विस्तार सूं उजागर करौ।